वर्ष 17 सं. 10 भा.वा.अ.शि.प. अक्टूबर 2025

वानिकी समाचार

31वीं वार्षिक आम सभा की बैठक

- भा.वा.अ.शि.प. की वार्षिक आम सभा की 31वीं बैठक दिनांक 6 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने की। बैठक में श्री सुशील कुमार अवस्थी, भा.व.से., महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.; विभिन्न राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक; अन्य मंत्रालयों के प्रतिनिधि तथा भा.वा.अ.शि.प. के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान चार प्रकाशनों–"कैशिंग ऑन कैसुरीना", "भा.वा.अ.शि.प. की विस्तार रणनीति 2025–30", "अल्पज्ञात वनस्पतियों का संकलन" तथा "भारत की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के लिए पौध प्रजनन" का विमोचन किया गया। इसके साथ ही 'वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड' वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में भा.वा.अ.शि.प. की वार्षिक आम सभा की 31वीं बैठक

"कैशिंग ऑन कैसुरीना", "भा.वा.अ.शि.प. की विस्तार रणनीति 2025–30", "अल्पज्ञात वनस्पतियों का संकलन" तथा "भारत की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के लिए पौध प्रजनन" का विमोचन

अनुक्रमणिका	पृष्ठ सं.
31वीं वार्षिक आम सभा की बैठक	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/बैठकें	02
प्रशिक्षण कार्यक्रम	03
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	06
मिशन लाइफ	08
प्रकृति कार्यक्रम	08
समझौता ज्ञापन	09
संस्थानों में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा	09
रेडियो वार्ता	10
विविध	10
मानव संसाधन समाचार	12
प्रकाशन	12

महत्त्वपूर्ण शोध निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *हाइप्टिस सुवेओलेंस* पत्तियों के सगंध तेल (HSLEO) की α एमाइलेज संदमक गतिविधि का मूल्यांकन स्टार्च–DNA कैलोरीमेट्रिक एस्से का उपयोग करके किया गया, जहाँ 540 nm पर α एमाइलेज के प्रतिशत संदमक से तेल और मानक संदमक एकरबोस के लिए IC_{50} मान निर्धारित किए गए। HSLEO ने समान परिस्थितियों में एकरबोस 254 ± 1.531 µg/mL के IC_{50} की तुलना में 1134 ± 1-032 µg/mL के IC_{50} के साथ खराब संदमन प्रदर्शित किया।

- औषधीय रूप से महत्वपूर्ण सुगंधित वृक्ष *ज़ैंथोक्सिलम आर्मेटम* के बीजों को जल–आसवित किया गया और 0. 9% उपज में विशिष्ट सुगंध वाला हल्के पीले रंग का सगंध तेल अलग किया गया।

- स्किमिया लॉरियोला पत्ती के सगंध तेल की रोगाणुरोधी क्षमता का बिम्ब विसरण और यूष सूक्ष्ममंदन दोनों का उपयोग करके *एसिनेटोबैक्टर बाउमानी* के विरुद्ध व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन किया गया। सगंध तेल ने स्पष्ट, सांद्रता–निर्भर जीवाणुरोधी गतिविधि प्रदर्शित की। बिम्ब विसरण आमापन में, सबसे बड़े संदमन क्षेत्र 12.5% (21.61 ± 0.56 मिमी) और 6.25% (19.89 ± 0.36 मिमी) पर दर्ज किए गए, और कम सांद्रता पर क्रिया में धीरे–धीरे कमी देखी गई। यूष सूक्ष्ममंदन आमापन ने इन निष्कर्षों को और अधिक मान्य किया, 100% और 50% सांद्रता पर पूर्ण जीवाणु विकास संदमन (≥ 95%), 25% और 12.5% पर मध्यम संदमन, और 6.25% से नीचे एक उल्लेखनीय गिरावट का प्रदर्शन किया। सकारात्मक नियंत्रण के रूप में उपयोग किए जाने वाले मेरोपेनेम से अधिकतम संदमन क्षेत्र बने, जो आमापन की विश्वसनीयता की पुष्टि करता है।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- पैनल बनाने के लिए लिग्नोसेलुलोसिक फाइबर, अलसी, भांग और कॉयर के रेशों को मिलाकर एक मिश्रण तैयार किया गया। अध्ययन के परिणाम से पता चला कि सभी मिश्रित पैनलों में बेहतरीन यांत्रिक गुणधर्म थे। फ्लैक्स–हेम्प, हेम्प–कॉयर, और फ्लैक्स–कॉयर और इसके विपरीत सभी बोर्ड संयोजन, 900 से 1200 किग्रा/मी³ की पैनल घनत्व के लिए माध्यम–घनत्व फाइबरबोर्ड (आईएस 12406) के आवश्यक गुणधर्मों को संतुष्ट करते हैं। आईएस : 13745 के अनुसार परीक्षण करने पर सभी पैनल का अत्सर्जन स्तर E1 श्रेणी में था। इसी प्रकार, समामेलित पैनल गुणधर्मों (WA, TS, MOR, MOE) की तुलना कॉयर बोर्ड मानक (आईएस 15476) और उच्च घनत्व कण बोर्ड (आईएस 3478) से की गई। यह केवल फ्लैक्स से हेम्प और फ्लैक्स से कॉयर का संयोजन ही भारतीय मानक उच्च घनत्व वाले कण बोर्ड और मध्यम घनत्व वाले कॉयर बोर्ड के सभी गुणधर्मों के अनुरूप है।

- 60 मिनट तक आग से बचाने वाले दरवाज़े बनाने के लिए *अज़ाडिरैक्टा इंडिका* (नीम की लकड़ी) का उपयोग करके निर्माण अवधारणा को अनुकूलित किया गया और व्यावसायिक स्तर पर इसका प्रदर्शन किया गया। फ़ैक्ट्री में बनाया गया शटर आईएस:3614 के अनुसार 60 मिनट की रेटिंग को पूरा करता है।

कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
01 "मानव–हाथी संघर्ष" पर वेबिनार	07 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं. और भा.वा.अ.शि.प. के अंतगर्त अन्य संगठनों तथा अन्य संस्थानों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ–साथ व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय, देहरादून और अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
02 अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक	08 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में "मानव–हाथी संघर्ष" पर वेबिनार

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद			
03	वृक्षारोपण और मृदा एवं जल संरक्षण का अनुश्रवण और मूल्यांकन	13 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद के वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
04	"पारितंत्र– इसके घटक, खतरे और संरक्षण" पर सेमिनार	31 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं. के वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और शोधकर्ताओं सहित 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
भा.वा.अ.शि.प.–वक्षृ प्रजनन एवं वन आनुवंशिकी संस्थान, कोयंबटूर			
05	"सुरक्षित विज्ञान: जैव सुरक्षा नियम और अभ्यास" पर सेमिनार	27 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और शोध अध्येता सहित 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद			
01	पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन – साक्ष्य आधारित निर्णय लेना	06 से 10 अक्टूबर 2025	11 राज्य सरकारी विभागों के वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविद् सहित 25 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) में "पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन–साक्ष्य आधारित निर्णय लेना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान,देहरादून			
02	प्लाईवुड विनिर्माण	13 से 17 अक्टूबर 2025	विभिन्न प्लाईवुड उद्योगों से 19 प्रतिभागी
03	काष्ठ और बांस संरक्षण	27 से 31 अक्टूबर 2025	विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी संगठनों और उद्योगों से 15 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में "प्लाईवुड विनिर्माण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में "काष्ठ और बांस संरक्षण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर			
04	शुष्क और अर्ध–शुष्क प्रजातियों के लिए पौधशाला तकनीक	07 से 09 अक्टूबर 2025	छात्रों और गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों सहित 20 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान,शिमला			
05	"उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधों की विविधता, पहचान, संरक्षण और उपयोजन"	06 से 08 अक्टूबर 2025	आयुर्वेदिक अधिकारी, शिक्षक, छात्र, बागवानी क्षेत्र कर्मचारी, वैद्य, महिला मंडल, योग शिक्षक और पारि कार्य कर्मियों सहित 30 प्रतिभागी
06	आधुनिक पौधशालाओं की स्थापना में क्षमता निर्माण और रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए माइकोराइजा जैव प्रौद्योगिकी का उपयोजन।	15 से 16 अक्टूबर 2025	बिलासपुर वन विभाग, हिमाचल प्रदेश के वन अधिकारियों और क्षेत्र कर्मचारियों सहित 35 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में "उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के औषधीय पौधों की विविधता, पहचान, संरक्षण और उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में "आधुनिक पौधशाला की स्थापना में क्षमता निर्माण और रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए माइकोराइजा जैवप्रौद्योगिकी के उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

07	ओक प्रजातियों के बीज, पौधशाला और रोपण तकनीक	22 से 24 अक्टूबर 2025	छात्र, पारि कार्य बल, पंचायत प्रतिनिधि और औषधीय पौधों पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों सहित 50 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला में "ओक प्रजातियों के बीज, पौधशाला और रोपण तकनीकों" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

08	राष्ट्रीय कर्मयोगी बड़े पैमाने पर जन सेवा कार्यक्रम	31 अक्टूबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के अधिकारियों और वैज्ञानिकों सहित 19 प्रतिभागी
	भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान,जोरहाट		
09	जैव विविधता सर्वेक्षण के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	27 अक्टूबर 2025	इंफाल, मणिपुर से 10 प्रतिभागी
10	अन्य सेवाओं के कर्मियों के लिए बांस	28 से 30 अक्टूबर 2025	मिजोरम के अलग–अलग विभागों जैसे कृषि, बागवानी, मृदा संरक्षण, पशु चिकित्सा, शिक्षा, औषधीय और पौधा बोर्ड, राज्य बांस मिशन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 30 अधिकारी।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में "अन्य सेवाओं के कर्मियों के लिए बांस" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

11	एक संवहनीय सामग्री के रूप में काष्ठ	06 से 10 अक्टूबर 2025	विभिन्न राज्य वन विभाग के 16 भा.व.से. अधिकारी

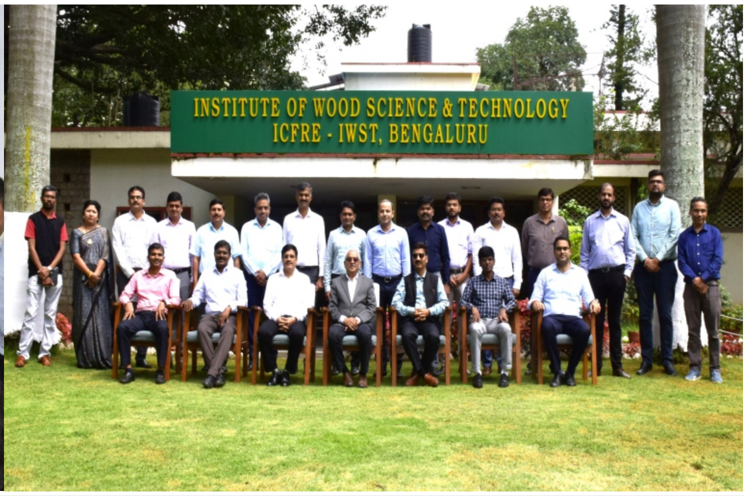

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में "एक संवहनीय सामग्री के रूप में काष्ठ" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

12	दुर्लभ, लुप्तप्राय, संकटग्रस्त और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियों के संरक्षण और प्रसार की तकनीकें	07 से 10 अक्टूबर 2025	राजिक अधिकारियों और पौधशाला प्रभारी सहित 25 प्रतिभागी

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी में 27 से 29 अक्टूबर 2025 तक "औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती और उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ढकरानी के आस–पास के क्षेत्र के लगभग 35 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी में "औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती और उपयोजन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को चेट्टियारा, अलाप्पुझा, केरल में चंदन आधारित कृषि वानिकी प्रदर्शन भूखंड की स्थापना की गई।
- ऑक्सफ़ोर्ड कॉलेज, बेंगलुरु के 80 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ 28 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्हें ऊतक संवर्धन तकनीक औरऊतक संवर्धन से उगाए गए बांस और चंदन के चरण वार दृंढीकरण प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

ऑक्सफ़ोर्ड कॉलेज, बेंगलुरु के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- महाराष्ट्र के चंद्रपुर वन अकादमी और तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबटूर के 73 वन राजिक अधिकारी प्रशिक्षुओं ने 02 और 09 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्यान केंद्र, शीशम कृंतक के वीएमजी और थार शोभा खेजड़ी परीक्षण का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबटूर के वन राजिक अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

- केरल कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विश्विद्यालय, वेलायनी के 40 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ 14 अक्टूबर 2025 को शीशम कृंतक, नीम पत्ती खाद और थार शोभा खेजड़ी परिक्षण के वीएमजी का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में बताया गया।

केरल कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, वल्लयानी के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- सेंट अलॉयसियस कॉलेज, जबलपुर के 15 छात्रों ने 17 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें पर्यावरण और वानिकी अनुसंधान के बारे में जानकारी दी गई।

सेंट अलॉयसियस कॉलेज, जबलपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- दीपू टोला, लालगुटवा, रांची में 08 अक्टूबर 2025 को "कुपोषण को रोकने में बाजरे की भूमिका" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दीपू टोला, लालगुटवा, रांची के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- करुण्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर और व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय, देहरादून और योगी वेमना यूनिवर्सिटी, कडप्पा के संकाय सदस्य के साथ 106 छात्रों ने 10, 23 और 29 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर के कायिक बहुगुणन उद्यान, रसायन विज्ञान और जैव पूर्वेक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया।

व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय, देहरादून के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

मिशन लाईफ

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम ने 03, 09, 13, 15 और 17 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., आंध्र विश्वविद्यालय और जोसेफ कॉलेज फॉर विमेन, विशाखापत्तनम में "ऊर्जा बचाओ, पानी बचाओ और एकल उपयोग प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम में "स्वस्थ जीवन शैली और एकल उपयोग प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने 13 और 15 अक्टूबर 2025 को बहादुरपल्ली, हैदराबाद के आस–पास के क्षेत्र में "कचरा कम करें और ऊर्जा बचाएं" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को आर.सी.सी. मिडिल स्कूल, वलीपालयम में महुआ (*मधुका लोंगिफोलिया*) के पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आर.सी.सी. मिडिल स्कूल, वलिपलायम, कोयंबटूर में *मधुका लोंगिफोलिया* पर वृक्षारोपण कार्यक्रम।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को मानव भारती स्कूल, देहरादून में "सतत खाद्य प्रणाली" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 200 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को पीएम श्री गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चामू, जोधपुर के 158 छात्रों ने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्यान केंद्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्हें शीशम कुन्तक, थार शोभा खेजड़ी और नीम पत्ती खाद के गड्ढों के वीएमजी के बारे में जानकारी दी गई।

पीएम श्री जीएसएसएस, चामू, जोधपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- पीएम श्री गवर्नमेंट हाई स्कूल, मोरपिला, गोवा के 86 छात्रों ने शिक्षकों के साथ 24 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु की विभिन्न

प्रयोगशालाओं का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्हें पौधा ऊतक संवर्धन, अणु जैविकी प्रयोगशाला और पौधशाला तकनीकें दिखाई गईं।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- पीएम श्री गवर्नमेंट हाई स्कूल, मोरपिला, गोवा के 86 छात्रों ने शिक्षकों के साथ 24 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्हें पौधा ऊतक संवर्धन, अणु जैविकी प्रयोगशाला और पौधशाला तकनीकें दिखाई गईं।

पीएम श्री गवर्नमेंट हाई स्कूल, गौर सलीवाड़ा, जबलपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- एस.एन.एम.वी.एच.एस. स्कूल, श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय स्वामी शिवानंद हायर सेकेंडरी स्कूल, स्टेन्स एंग्लो इंडियन हायर सेकेंडरी स्कूल और अमृता विद्यालयम, कोयंबटूर के 467 छात्रों ने शिक्षकों के साथ 08, 09, 13 और 30 अक्टूबर 2025 को कोयंबटूर के भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं. के गैस वन संग्रहालय और एवियरी रेस्क्यू सेंटर का दौरा किया।

अमृता विद्यालयम, कोयंबटूर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 17 अक्टूबर 2025 को फेडरेशन ऑफ इंडियन प्लाइवुड एंड पैनल इंडस्ट्री, नई दिल्ली के साथ प्लाइवुड संरक्षण और जैव–आधारित आसंजकों पर परियोजना को लागू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और फेडरेशन ऑफ इंडियन प्लाइवुड एंड पैनल इंडस्ट्री, नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 17 अक्टूबर 2025 को सर्वश्री स्पेसीफाई टेक प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु के साथ प्री–फैब्रिकेटेड काष्ठ/बांस आधारित भवन और निर्माण गतिविधियों के विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 21 अक्टूबर 2025 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एन.आई.ए.एस.), बेंगलुरु के साथ मिलकर अनुसंधान और विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने 10 अक्टूबर 2025 को लिविंग वाटर एक्वा सॉल्यूशंस प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन, हैदराबाद के साथ वैज्ञानिक, शैक्षणिक और विस्तार गतिविधियों में तेज़ी से मिलकर काम करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

संस्थानों में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- श्री ए. के. भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने स्वच्छता विशेष अभियान 5.0 के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी के तौर पर 17 अक्टूबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता का दौरा किया।

श्री ए. के. भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।

रेडियो वार्ता

- दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को आकाशवाणी, जोरहाट पर असमिया भाषा में "जलवायु परिवर्तन और इसका प्रभाव" विषय पर एक रेडियो वार्ता का प्रसारण किया गया।

आकाशवाणी, जोरहाट पर "जलवायु परिवर्तन और इसका प्रभाव" विषय पर रेडियो वार्ता।

विविध

महात्मा गांधी की 156वीं जयंती

भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों ने 02 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई।

स्वच्छता अभियान 5.0

- भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों ने 02 से 31 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता अभियान 5.0 के उत्सव के हिस्से के रूप में स्वच्छता अभियान चलाया।

सतर्कता जागरूकता अभियान 2025

- भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों द्वारा 27 अक्टूबर से 03 नवंबर 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

वन्यजीव सप्ताह

- भा.वा.अ.शि.प., संस्थानों और केन्द्रों द्वारा 02 से 08 अक्टूबर 2025 तक वन्यजीव सप्ताह मनाया गया।

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारियों का नाम	दिनांक
डॉ. रामबीर सिंह, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	31.10.2025
श्रीमती शालिनी पी. राव, मुख्य तकनिकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	31.10.2025
श्री नवनीत कुमार, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय)	31.10.2025
श्री विजेंद्र कुमार, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	31.10.2025

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्तियां

अधिकारियों का नाम	दिनांक
श्री टी. रबी कुमार भा.व.से. (ए.जी.एम.यू.टी.:1995) निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर	09.10.2025
श्री अतनु शाह, (टी.एफ.एस.:2012) उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–आ.वि.कें., अगरतला	10.10.2025

स्थानांतरण

अधिकारियों का नाम	दिनांक
श्री हेमंत कुमार गगल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर से भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	28.10.2025
श्री नीरज कुमार गुप्ता, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., भा.वा.अ.शि.प.–जोधपुर से भा.वा.अ.शि.प.(मु.)	28.10.2025

प्रकाशन

शोध पत्र

- साहू, एल., और सिंह, ए. पी. (2025). भारत के मध्य और पूर्वी हिमालय के पड़ोसी उप–क्षेत्रों से उत्तराखंड, पश्चिमी हिमालय के नम शीतोष्ण बान ओक (*क्वार्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* ए. कैमस) वनों में शलभों (लेपिडोप्टेरा: हेटेरोसेरा) का हालिया क्षेत्र विस्तार। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स, 1–17.

- खन्ना, आर., पांडे, जी., और वार्ष्णेय, वी. के. (2025). *क्यूप्रेसस टोरुलोसा* की सूचिकाओं से पहचाने गए जैव सक्रीय यौगिकों की एंटीऑक्सीडेंट, एंटीडायबिटिक और गैर प्रदाहक गतिविधियों का मॉलिक्यूलर डॉकिंग–आधारित अध्ययन। केमिस्ट्री

सेलेक्ट, 10(37), म01052।

- तालेकर, एस., कोंडेबोइना, एम., एलआर, एल. पी., और यादव, वाई. (2025). तीन देसी औषधीय जड़ी–बूटियों से बनी हर्बल चाय का फ़ॉर्मूलेशन और मात्रात्मक पादप रसायन विश्लेषण। फ़ाइटो टॉक्स, 2(3), 549–558।

- बिष्ट, एस. एस., सरखेल, बी., बछेती, आर. के., मिश्रा, बी. बी., और पांडे, एस. के. (2025). सक्रीय एवं और कुशल खाद्य पैकेजिंग प्रणाली में पौधा सत्त। खाद्य एवं सतत पैकेजिंग में प्राकृतिक योजक, 353–385. जेनी स्टैनफोर्ड पब्लिशिंग।

- पटेल, यू., रघुवंशी, एन., बिष्ट, एस. एस., गुप्ता, बी., और घोष, के. के. (2025). खाद्य पैकेजिंग में प्राकृतिक योजकों का एक अवलोकन। खाद्य और सतत पैकेजिंग में प्राकृतिक योजक, 263–307।

- वर्मा, पी. के., किश्वान, एस., मीना, आर. के., बिष्ट, एस. एस., और चंद्र, ए. (2025). इम्पेशन वायलोइड्स एज्यू एक्स हुक. एफ. उत्तराखंड की वनस्पति में एक लुप्तप्राय प्रजाति का नया योज्य। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन बीः बायोलॉजिकल साइंसेज की कार्यवाही, 1–4।

- चंदोला, एस., बिष्ट, एस. एस., पांडे, एस., मीना, आर. के., लखेरा, सी., और बछेती, आर. के. (2025). कोरम्बिया सिट्रियोडोरा एसेंशियल ऑयल में ऑन्टोजेनेटिक और मौसमी विभिन्नताः केमोडाइवर्सिटी और बोट्रियोस्फेरिया डोथाइडिया के खिलाफ एंटीफंगल प्रभावों का एक अध्ययन। नेचुरल प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, 20(10)।

- यादव, आर. (2025). पार्टिकल बोर्ड के लिए एक्रिलामाइड कोपॉलीमराइज़्ड लो फॉर्मेल्डिहाइड थर्मोसेटिंग रेज़िन। इंडियन फॉरेस्टर, 151(9), 891–901।

- वेडियाप्पन दुरई, एम., सुदर्शन रेड्डी, जी., अभिषेक, जी., श्रीनिवास, ए., और गोल्ला, बी. (2025). व्यावसायिक बांस प्रजातियों की वृद्धि और तने की उत्पादकता पर प्रवर्धन विधियों के प्रभाव का मूल्यांकन।

- देवांगन, ए., सिल, ए., तिवारी, ए., कुमार, ए., कृष्णप्रिया, एम. जी., और कोल्हे, एम. आर. (2025). शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर जलवायु परिवर्तन का प्रभावः तन्यक सिविल इंजीनियरिंग डिज़ाइन के लिए रणनीतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज, 11(22), 3963–3970।

- सिंह, एल., बरार, बी. एस., और साहू, एस. सी. (2025). सतत विकास और भविष्य की संभावनाओं के लिए चावल के पुआल के उपयोग पर एक व्यापक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायरनमेंटल साइंसेज, 11(24), 1114–1120।

- कुमार, आर., शर्मा, आर., सुजाता, एम., और भदौरिया, के. (2025). साइट्स कम्प्लायंस के लिए थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी का उपयोग करके *डैलबर्जिया लैटिफोलिया* और डैलबर्जिया सिस्सू काष्ठ का तेजी से विभेदन। माइक्रोकेमिकल जर्नल, 218, 115599।

- बेहेरा, एस., चव्हाण, एस. बी., और देशमुख, पी. पी. (2024). कृषिवानिकी के माध्यम से माइक्रोक्लाइमेट में संशोधन से खराब मौसम की स्थितियों में फसल की उपज पर प्रभाव पड़ता है। जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय सततता, 12(1), 12–20।

- देशमुख, पी. पी., तिवारी, पी., डोबरियाल, एम. जे., यादव, आर. पी., हांडा, ए. के., कुमार, एन., राम, ए., देव, आई., यादव, ए., अनुरागी, एच., शुक्ला, ए. के., शेखावत, वी., अनुवर्णा, के., और बेहरा, एस. (2025)। भारत के बुंदेलखंड क्षेत्र में *मीलिया डुबिया*–आधारित कृषि वानिकी प्रणाली में वृक्षारोपण की ज्यामिति का मसूर की पोषण गुणवत्ता, वृक्ष के बायोमास और आर्थिक रिटर्न पर प्रभाव। फ्रंटियर्स इन एग्रोनॉमी, 7, 1675259।

- देशमुख, पी. पी., तिवारी, पी., डोबरियाल, एम. जे., यादव, आर. पी., हांडा, ए. के., शेखावत, वी., अनुवर्णा, के., ममता, और बेहरा, एस. (2025). दलहन की खेती को बेहतर बनानाः बुंदेलखंड की अर्ध–शुष्क परिस्थितियों में मृदा स्वास्थ्य के प्रतिरूप मसूर (*लेंस कुलिनारिस* मेडिक.) की वृद्धि और उपज पर मालाबार नीम (*मीलिया डुबिया* कैव.) की दूरी का प्रभाव। लेग्यूम रिसर्च, 5491, 1–8।

- मुदिहाल, टी., कोलिन, एस., कुलकर्णी, सी. सी., शिवप्रसाद, के. एम., कुमार, पी., रोलिंग, डब्ल्यू., और साइमन, पी. (2025). कार्यात्मक इन्डेल्स और आनुवंशिक विविधता की खोजः गाजर (*डौकस कैरोटा* एल.) के पश्चिमी और पूर्वी जीन पूल में कृषि–आकारमितीय और आणविक अंतर्दृष्टि। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 16, 1658653।

- जयचित्रा, एस. पी., गांगुली, एस., और वारियर, आर. आर. (2025). *बैंबूसा बाल्कोआ* रॉक्सब. का सूक्ष्मप्रवर्धनः इस हरे सोने की खेती में अंतर्दृष्टि, चुनौतियाँ और स्थायी दृष्टिकोण। एडवांसेज इन बैम्बू साइंस, 13, 100204।

- गांगुली, एस., नचियाप्पन, एस., और जैकब, जे. पी.

(2025). भारत में वनों के वृक्षों से जुड़े थाइसनोप्टेरा। इंडियन जर्नल ऑफ़ एंटोमोलॉजी, स्पेशल इश्यू (7), 74–93।

- शिवांगी, एस., नेगी, एस., हुसैन, एम., और मेहता, एम. (2025). फलदार वृक्षों पर आधारित कृषिवानिकी: जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा के लिए एक स्केलेबल समाधान। आईओएसआर जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड वेटरनरी साइंस, 18(7, Ser. 1), 46–54।

- रत्ना वी., तिवारी एस., दास ए. और कुमारी एम. (2025). *डैलबर्जिया सिस्सू* की व्याधियां और उनका प्रबंधन। वुड इज़ गुड, 5(3), 30–31।

- शर्मा, एस., और भूटिया, के. जी. (2026). लिग्निन–आधारित फ़िल्में और कोटिंग्स। लिग्निन–संचालित उन्नत सामग्री: द स्टेट ऑफ द आर्त स्थिति में, 235–268. एल्सेवियर।

संरक्षक:

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।